मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 237, मुंबई, मंगलवार, 9 नवंबर, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

भाजपा नेता के आरोप पर 29 नवंबर को कोर्ट में पेशी का आदेश

वानखेड़े के पिता के केस में कल तक देना है जवाब

मुंबई। मुंबई की अदालत ने भारतीय जनता युवा मोर्चा (BJYM) के नेता मोहित कंबोज की आपराधिक मानहानि शिकायत में मंत्री नवाब मलिक के खिलाफ प्रोसेस (एक तरह का कानूनी समन) जारी किया है। मलिक को 29 नवंबर को अदालत में पेश होने का आदेश दिया गया है। इसी तरह के एक अन्य मानहानि के केस में बॉम्बे हाईकोर्ट ने नवाब मलिक से मंगलवार तक जवाब तलब किया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

कंपनी में गाड़ी लगवाने के नाम पर 250 लोगों से करोड़ों की ठगी

मुंबई। पुणे में पुलिस ने एक पूर्व सरपंच को गिरफ्तार किया है। जिसने आज तक 250 से अधिक लोगो को ठगा है। यह सरपंच गाँव में लोगो को कहता था कि मेरी बड़ी-बड़ी कंपनी में बड़ी पहचान है। आप यह गाड़ी खरीदो मैं उसे उस बड़ी कंपनी में लगाऊंगा और आपको बड़ी कमाई करके दूंगा। यह कहकर वह उनके साथ अग्रीमेंट तक कर लेता था और बाद में किसी ने गाड़ी खरीदी तो उसे पहले कुछ महीने किराया भी देता था। लेकिन कुछ महीने बाद वह पैसे देने बंद करता था और बताता था कि कंपनी में कुछ परेशानी शुरू है। इस कारण सभी के पैसे रोके हैं, कुछ दिन बाद पैसा मिलेगा। इस प्रकार के कारण देता और उनकी ली हुई गाड़िया महाराष्ट्र के बीड में ले जाकर दूसरों को बताता की लोगों ने मेरे पास से कर्ज से पैसा लिया है। जिसके लिए उन्होंने मेरे पास गाड़िया गिरवी रखी हैं। अब उसकी पैसे देने की परिस्थिति नही है तो आप यह गाड़ी कुछ दिन रखो और अगर उसने पैसा नहीं दिया तो मुझे बाकी का पैसा दे दो। इस प्रकार से कहकर 50 लाख रुपये की गाड़ी देकर उनसे लाखों रुपये ले लेता। इस तरह से उसने 250 लोगो से अधिक से ठगी की है। लोगों को 50 लाख और उससे अधिक की महंगी गाड़िया लेने के लिए कहता रहता था। पुलिस ने इस पूर्व सरपंच को गिरफ्तार करते हुए इसके पास से 1 करोड़ 96 लाख रुपये की गाड़ियां जप्त की हैं।

एसआईटी के सामने नहीं पेश हुए आर्यन

मुंबई। एनसीबी की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को एक बार फिर रविवार को समन भेजकर पूछताछ के लिए बुलाया था। लेकिन तबियत खराब होने का हवाला देते हुए आर्यन एनसीबी दफ्तर नहीं पहुंचे। दिल्ली से मुंबई पहुंची एसआईटी टीम 6 मामलों की जांच करेगी। आर्यन के अलावा अरबाज मर्चेन्ट और अर्चित कुमार को भी एसआईटी ने बुलाया था, दोनों एनसीबी दफ्तर पहुंचे और जांच एजेंसी के सवालों के जवाब दिए। शाहरुख की मैनेजर ने बताया कि आर्यन को हल्का बुखार है जिसके चलते वे एनसीबी के सामने हाजिर नहीं हो सके। एनसीबी मामले से जुड़े सभी आरोपियों के बयान फिर से दर्ज कर रही है। इसके अलावा नवाब मलिक के दामाद से भी ड्रग्स मामले में एनसीबी पूछताछ के लिए बुलाएगी। यह मामला भी मुंबई एनसीबी से लेकर दिल्ली की एसआईटी को जांच के लिए सौंपा गया है। वसूली के आरोप लगने के बाद समीर वानखेडे के खिलाफ विजिलेंस की टीम जांच कर रही है। इसी के चलते एनसीबी ने अहम मामलों की जांच के लिए डीडीजी संजय सिंह की अगुआई में विशेष टीम बना दी है जिसमें एनसीबी दिल्ली के अधिकारी शामिल है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

अहमदनगर अस्पताल हादसा

मृतकों के परिजनों को पांच लाख

मुंबई। अहमदनगर की अस्पताल में आग की घटना को पालक मंत्री हसन मुश्रीफ ने दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए दुर्घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आश्वाशन दिया है। उन्होंने घोषणा की कि इस घटना में मारे गए लोगों के परिजनों को सरकार 5 लाख रुपये देगी। पालक मंत्री ने कहा कि नाशिक संभागीय आयुक्त की अध्यक्षता में एक जांच समिति नियुक्त की जा रही है जिसके बाद सच्चाई सामने आएगी। जांच के दौरान अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज की मदद लेंगे। उन्होंने कहा कि समिति में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल हैं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

ठाणे शहर के NKT कॉलेज के फर्स्ट फ्लोर पर लगी आग

मुंबई। मुंबई से सटे ठाणे शहर के एनकेटी कॉलेज के पहले माले पर आग लगने से सुबह अफरातफरी मच गई। आग को बुझाने के लिए दमकल विभाग के कर्मचारी घटनास्थल पर मौजूद है। फिलहाल इस आग में किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

एक जीन से जोखिम

किसी भी नई वैज्ञानिक खोज से जितनी खुशी होती है, उतना ही विज्ञान के प्रति उत्साह भी बढ़ता है। वैज्ञानिकों ने एक ऐसे जीन की पहचान की है, जो सांस की नाकामी और कोविड से मृत्यु के जोखिम को दोगुना कर देता है। वैज्ञानिकों ने यह भी बताया है कि दक्षिण एशियाई विरासत के लोगों पर इस बीमारी का ज्यादा खतरा है। जिस जीन का पता लगाया गया है, वह फेफड़ों के संक्रमण के प्रति प्रतिक्रिया के तरीके को बदलता है। यह जीन अब तक पहचाना गया सबसे महत्वपूर्ण आनुवंशिक जोखिम कारक है। श्वेत यूरोपीय पृष्ठभूमि वाले 15 प्रतिशत लोगों की तुलना में दक्षिण एशियाई पृष्ठभूमि वाले लगभग 60 प्रतिशत लोगों पर यह जोखिम होता है। यह खोज आंशिक रूप से भारतीय उपमहाद्वीप में कोविड-19 के प्रभाव को स्पष्ट कर सकती है। आशंका जताई जाती है कि दक्षिण एशिया में कोविड के कारण ज्यादा मौतें हुई हैं, लेकिन उनमें से कई दर्ज नहीं हुई हैं। यूरोपीय देशों में एक-एक मौतों को दर्ज किया गया है, इसलिए विभिन्न समुदायों के आधार पर कोई अध्ययन वहां ज्यादा सटीकता के साथ संभव है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के रैडक्लिफ डिपार्टमेंट ऑफ मेडिसिन के आनुवंशिकीविद और शोध पत्र के वरिष्ठ लेखक प्रोफेसर जेम्स डेविस ने कहा है, ह्यआनुवंशिक कारक बताता है कि क्यों कुछ लोग कोरोना वायरस संक्रमण के बाद बहुत गंभीर रूप से बीमार पड़ जाते हैं। दक्षिण एशियाई पृष्ठभूमि के लोगों के लिए यह जोखिम ज्यादा है।ह्न हालांकि, अन्य वैज्ञानिकों ने आगाह किया है कि इस निष्कर्ष पर आगे अध्ययन की जरूरत है। यह अध्ययन भारत में भी किया जाना चाहिए। क्या आम तौर पर भी भारत में लोग दूसरे पश्चिमी देशों की तुलना में ज्यादा बीमार पड़ते हैं? क्या भारत में मामूली बीमारियां भी लोगों पर कहर ढाती हैं? कोविड के बहाने इस विशेष जीन पर आगे भी शोध जरूरी है, ताकि समाधान की तलाश की जा सके। दक्षिण एशिया में इस तरह के शोध करने वाले संस्थानों का अभाव है। दूसरी समस्याएं इतनी हैं कि बीमारियों के बारे में आनुवंशिक अध्ययन यहां कुछ खास नहीं है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी का यह ताजा शोध इशारा करता है कि दक्षिण एशियाइयों के शरीर में ऐसे जीन और भी हो सकते हैं, जो बीमारियों को बढ़ाने का काम करते होंगे। दक्षिण एशिया में सेहत सुधार के लिए यह अध्ययन बहुत ही कारगर है। शोध में पाया गया है कि इंग्लैंड की दूसरी लहर में बांग्लादेशी पृष्ठभूमि के लोगों के लिए मौत का जोखिम तीन से चार गुना अधिक, पाकिस्तानी पृष्ठभूमि के लोगों के लिए 2.5 से तीन गुना अधिक और भारतीय पृष्ठभूमि के लोगों के लिए 1.5 से दो गुना अधिक था। मतलब, यह खतरा दक्षिण एशिया के सभी लोगों में समान रूप से नहीं है। दक्षिण एशिया में भी हर जाति, नस्ल के लोग रहते हैं। यह दुनिया में सर्वाधिक जैविक विविधिता वाला क्षेत्र भी है। अतः शोध के विस्तार में जाना जरूरी है। एलजेडटीएफएल1 नामक इस जीन को एक महत्वपूर्ण रक्षा तंत्र को चालू करने के स्विच के रूप में कार्य करते पाया गया है। डेविस बताते हैं कि हम अपनी आनुवंशिकी को नहीं बदल सकते हैं, लेकिन हमारे नतीजे बताते हैं कि उच्च जोखिम वाले जीनधारी लोगों को विशेष रूप से टीकाकरण से लाभ की संभावना है। मतलब, ऐसे लोगों का टीकाकरण प्राथमिकता से किया जाना चाहिए।

अपना आचार-व्यवहार बदलें अधिकारी

भारतीय लोकतंत्र में ब्यूरोक्रेसी का सम्मान, उपयोगिता और योगदान बना रहे, इस पर स्वयं ब्यूरोक्रेसी को सजग रहना होगा...

कड़े परिश्रम और योग्यता के आधार पर ही प्रशासनिक सेवा में चयन हो पाता है। लेकिन जब-तब अधिकारियों के आचार-व्यवहार को लेकर निराशाजनक खबरें सामने आती हैं, तो सिर शर्म से झुक जाता है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के मुंबई जोन के डायरेक्टर समीर वानखेड़े आर्यन खान ड्रग्स केस को लेकर चर्चा में हैं। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और एनसीपी नेता नवाब मलिक ने वानखेड़े के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

शाहरुख खान के बेटे की गिरफ्तारी के कारण यह मामला शुरू से ही सुर्खियों में रहा। पर अब वानखेड़े खुद सवालों में घिरते नजर आ रहे हैं। इस केस के ही एक गवाह ने उन पर आठ करोड़ रुपये उगाही की कोशिश का आरोप लगाया है। समीर वानखेड़े को तेज तर्रार अफसर माना जाता है, पर अब एनसीबी ने इस केस से उन्हें अलग कर दिया है। मायानगरी मुंबई तो विचित्र है। यहां एक के बाद कई ऐसे मामले सामने आये हैं, जिनमें अधिकारी खुद सलाखों के पीछे चले गये हैं। कारोबारी मुकेश अंबानी के घर विस्फोटक मिलने के मामले में पुलिस के 'एनकाउंटर स्पेशलिस्ट' सचिन वझे खुद जेल चले गए।

सौ करोड़ वसूली के मामले ने ऐसा तूल पकड़ा कि महाराष्ट्र के तत्कालीन गृह मंत्री अनिल देशमुख को इस्तीफा देना पड़ा और अब वे खुद हिरासत में हैं। विवादों के बाद मुंबई के तत्कालीन पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह को पद से हटना पड़ा और वे लापता बताये जाते हैं।

अगस्त में हरियाणा के करनाल जिले में प्रदर्शन कर रहे किसानों पर हुए लाठीचार्ज में कई किसान गंभीर रूप से घायल हो गये थे। उस समय करनाल के एसडीएम आयुष सिन्हा का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें उन्हें पुलिसकर्मियों को किसानों का सिर फोड़ने का आदेश देते हुए स्पष्ट सुना जा सकता था। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर में भी कोरोना लॉकडाउन के नाम पर एक जिलाधिकारी रणवीर शर्मा ने एक नवयुवक के साथ बेजा हरकत की थी। नवयुवक ने उन्हें पर्ची दिखाते हुए बताया था कि वह दवा लेने मेडिकल स्टोर जा रहा था।

फिर भी उन्होंने नवयुवक को थप्पड़ जड़ दिया और कहा कि वह उनका वीडियो बना रहा था। इतना ही नहीं, युवक का मोबाइल पटकने और सुरक्षाकर्मियों से पिटवाने के बाद उन्होंने युवक के खिलाफ मामला दर्ज करने का आदेश भी दिया था। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसका संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जिलाधिकारी को तत्काल प्रभाव से हटाने के निर्देश दिये थे और कहा था कि किसी भी अधिकारी का शासकीय जीवन में ऐसा आचरण स्वीकार्य नहीं है। कोरोना काल के दौरान त्रिपुरा से भी एक ऐसा वीडियो आया था, जिसमें एक डीएम एक शादी समारोह में लोगों के साथ दुर्व्यवहार करते नजर आये थे। बाद में सरकार ने उन्हें निलंबित कर दिया था।

हाल में सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना ने देश में नौकरशाही, विशेषकर पुलिस अधिकारियों के व्यवहार पर कड़ी आपत्ति जतायी थी। उन्होंने कहा था कि वे एक समय नौकरशाहों, विशेष रूप से पुलिस अधिकारियों के खिलाफ शिकायतों की जांच के लिए एक स्थायी समिति बनाने के बारे में भी विचार कर रहे थे। सीजेआइ रमना, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस हेमा कोहली की पीठ छत्तीसगढ़ के निलंबित अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक गुरजिंदर पाल सिंह की एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों में सुरक्षा की मांग की थी।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि जब कोई राजनीतिक दल सत्ता में होता है, तो पुलिस अधिकारी एक विशेष दल के साथ होते हैं। फिर जब कोई दूसरी पार्टी सत्ता में आती है, तो सरकार उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करती है। यह एक नया चलन है, जिसे रोकने की जरूरत है।

कोरोना काल में पुलिसकर्मियों का भारी योगदान रहा है। लॉकडाउन के दौरान झारखंड और अनेक राज्यों के थानों में रोजाना भोजन की व्यवस्था थी। तब पुलिसकर्मी पूरी शिद्दत से अपनी ड्यूटी में लगे हुए थे, जबकि लोगों ने घरों से निकलना बंद कर दिया था। इस दौरान जब लोग परेशानी में फंसे, तब उन्हें पुलिस प्रशासन से ही सहारा मिला था। लेकिन बावजूद इसके आम जन में पुलिस को लेकर अविश्वास का भाव है। पुलिस की छवि के साथ प्रताड़ना, अमानवीय व्यवहार और उगाही जैसे शब्द जुड़ गये हैं।

जिस आम आदमी को पुलिस के सबसे ज्यादा सहारे की जरूरत होती है, वह पुलिस से दूर भागने की हर संभव कोशिश करता है। यह बात कोई छुपी हुई नहीं है कि भारत में पुलिस बल के कामकाज में भारी राजनीतिक हस्तक्षेप होता है। जब भी किसी पहुंच वाले शख्स को पुलिस पकड़ती है, तो उसे छुड़वाने के लिए स्थानीय रसूखदार नेताओं के फोन आ जाते हैं। जब अपराधी खुद राजनीति में आ जाते हैं, तो मुश्किलें और बढ़ जाती हैं। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बावजूद बाहुबलियों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से बाहर रखने में सफलता हासिल नहीं हुई है।

कुछ समय पहले पूर्व केंद्रीय मंत्री और मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने नौकरशाही को लेकर एक विवादित बयान दिया था। बाद में उनका स्पष्टीकरण भी सामने आया। उमा भारती का कहना था कि जब तक सरकार होती है, तब तक अधिकारी नौकर की तरह आगे पीछे घूमते हैं। उन्होंने एक किस्सा सुनाते हुए कहा कि 2000 में वे केंद्र में वाजपेयी सरकार में पर्यटन मंत्री थी, तब बिहार में तत्कालीन मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और लालू यादव के साथ उनका पटना से बोधगया हेलीकॉप्टर से जाने का कार्यक्रम बना।

हेलिकॉप्टर में बिहार के एक वरिष्ठ आइएएस अधिकारी भी थे। लालू यादव ने अपने पीकदान में थूका और उस अधिकारी के हाथ में थमा कर उसको खिड़की के बगल में नीचे रखने को कहा। उस अधिकारी ने ऐसा ही किया। उमा भारती ने कहा कि 2005-06 में जब उन्हें बिहार का प्रभारी बनाया गया, तो उन्होंने बिहार के पिछड़ेपन के साथ पीकदान को भी मुद्दा बनाया। उन्होंने बिहार के अधिकारियों से अपील की कि आज आप इनका पीकदान उठाते हो, कल हमारा भी उठाना पड़ेगा। अपनी गरिमा को ध्यान में रखो और पीकदान की जगह फाइल और कलमदान पकड़ो।

उमा भारती ने ब्यूरोक्रेसी से अपील की कि आपको अपने पूर्वजों, माता-पिता, ईश्वर की कृपा और अपनी योग्यता से यह स्थान मिला है। आप शासन के अधिकारी व कर्मचारी हैं, किंतु किसी राजनीतिक दल के घरेलू नौकर नहीं हैं। देश के विकास और स्वस्थ लोकतंत्र के लिए गरीब आदमी तक पहुंचने के लिए आप इस जगह पर बैठे हैं। भारतीय लोकतंत्र में ब्यूरोक्रेसी का सम्मान, उपयोगिता और योगदान बना रहे, इस पर स्वयं ब्यूरोक्रेसी को सजग रहना होगा।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस. खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, **फोन:9619102478 /9821238815** email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस. खान**,
समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ईदगाह स्पोर्ट्स क्लब द्वारा ईद मिलादुन्नबी स्नेह मिलन समिति पदाधिकारियों समाजसेवियों व कोरोना योद्धाओं का सम्मान किया

संवाददाता / सैय्यद अलताफ हुसैन,

जोधपुर। ईदगाह स्पोर्ट्स क्लब द्वारा ईद मिलादुन्नबी स्नेह मिलन आयोजित किया गया, जिसमें उस्ताद हाजी हमीम बक्ष व उस्ताद सलीम सैफी की अध्यक्षता में ईद मिलादुन्नबी जलसा समिति के पदाधिकारियों, समाजसेवियों व कोरोना योद्धाओ का सम्मान जालोरी गेट ईदगाह पर किया गया।प्रवक्ता नदीम बक्ष ने बताया पिछले दो सालो से कोरोना जैसी वैश्विक महामारी बीमारी को ध्यान में रखते हुए दो सालों से स्नेह मिलन समारोह का आयोजन नही किया गया। वर्तमान में कोरोना जैसी महामारी जब हालात में सुधार नजर आया तो आपसी सहमति से ईदगाह स्पोर्ट्स क्लब ने आपदा के दौर में एक लम्बे समय से सेवा देने वाले समिति के पदाधिकारियों, समाजसेवियों व कोरोना योद्धाओं का साफा माला पहनाकर व मेमोनटो देकर सम्मान कर हौंसला अफजाई की। स्नेह मिलन में उस्ताद सलीम सैफी द्वारा उस्ताद हाजी हमीम बक्ष, उस्ताद अ. वहीद खान, उस्ताद रफीक कुरैशी, उस्ताद सुबराती खान अब्बासी, कोरोना योद्धा व शिक्षक शौकत अली लोहिया,मौलाना मोहम्मद अफजल,शमसूद्दीन चून्दडीगर, उस्ताद मो. शफी, अ. गनी फौजदार, मो. साजिद खान, उस्ताद आबिद छिपा, उस्ताद वसीम अंसारी, उस्ताद फारूक सोलंकी,कलीम सैफी, प्रवक्ता नदीम बक्ष, साकिर शेख, रईस बक्ष का सम्मान कर हौंसला अफजाई की गई।

बिहार में जहरीली शराब के कारोबारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें सरकार - राठौड

मुंबई हलचल ब्यूरो / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। बिहार में दो जिलों में तीन दिनों में हुई 33 लोगों की जहरीली शराब से हुई मौत ने अवैध शराब का कारोबार करने वालों की सरकार से सांठगांठ को उजागर कर दिया हैं, तो फिर बिहार सरकार राज्य में शराब बंदी करके अवैध शराब कारोबारियों को बढ़ावा क्यों दे रही हैं? मामला उजागर होने पर बिहार सरकार आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं करती हैं? आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई में शिथिलता ही सरकार से आरोपियों से मिलीभगत को उजागर करती हैं। भले ही सरकार ने राज्य में शराब बंदी करके कुछ लोगों की सहानुभूति बटोरते हुए सत्ता में आने का काम किया हैं, पर अभी हाल ही में जहरीली शराब से 33 लोगों की आकस्मिक मौत ने सरकार की कानून व्यवस्था पर सवालिया निशान लगा दिया हैं। तो क्या बिहार सरकार किसी माँ की सूनी हुई गोद, व किसी का उझड़ा हुआ सिंदूर तो किसी की सूनी हुई कलाई की भरपाई कर सकेगी? शायद नहीं। अवैध और जहरीली शराब का कारोबार करने वाले लोगों के खिलाफ धारा 302 के तहत कानूनी कार्रवाई करते हुए सजा-ऐ-मौत देनी चाहिए तभी मृत आत्माओं को शांति और परिजनों को इंसाफ मिलेगा। वरना सुशासन बाबू यह बात तय हैं कि जिस जनता ने शराब बंदी से खुश होकर सत्तासीन कराया हैं ये वही जनता हैं अब सत्ता हीन करते हुए धरातल पर लाकर अर्श से फर्श पर लाने में एक पल की भी देरी नहीं करेगी। बिहार सरकार को समय रहते कानून व्यवस्था में सुधार करते हुए आरोपियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की आवश्यकता हैं।

त्रिपुरा मुस्लिम समुदाय के धार्मिक स्थलों, घरों पर हमले, सामूहिक नरसंहार के उपद्रवियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाए, मुस्लिम महासभा

संवाददाता सैय्यद अलताफ हुसैन

राजसमन्द। महामहिम भारत के राष्ट्रपति के नाम का ज्ञापन राजसमन्द जिला कलेक्टर महोदय,प्रशासनिक अधिकारी महोदय निशार अहमद को दिया गया जिसमें विगत दिनों त्रिपुरा में मुस्लिम समुदाय के धार्मिक स्थलों घरों पर हमले व आगजनी व सामूहिक नरसहार किया गया यह जानबूझकर उन्हें उकसाने के लिए मुस्लिम विरोधी नारे लगाया गया यहां तक कि धार्मिक किताबों को जला दिया गया व भारतीय संविधान को तार-तार कर दिया गया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश के नेतृत्व को कलंकित कर धार्मिक मस्जिदो एवं आर्थिक संसाधनों को काफी बड़ी मात्रा में उनके द्वारा आगजनी कर नुकसान पहुंचाया गया वर्तमान सरकार द्वारा उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं करने से उनके हौसले बुलंद हो रहे हैं, परंतु उक्त उपद्रवी लोग जो समाज में अभिशाप के रूप में हैं उनके द्वारा संपूर्ण भारत देश की संस्कृति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धूमिल किए जाने का प्रयास किया जा रहा है इसी लिए ऐसे संगठनों को शीघ्र राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंध किया जावे ज्ञापन के दौरान मांग की गई की मस्जिद में आगजनी होने से उसका पुनर्निर्माण मृतकों के परिजनों को वह प्रभावितों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाए ज्ञापन के दौरान मुस्लिम महासभा के जाफर खान फौजदार,प्रदेश उपाध्यक्ष तुफैल अहमद उस्ता आदि मौजूद रहे।

फिर टूट गई एम आई डी सी पानी की लाइन

कल्याण फटा। हाल ही में कांग्रेस पार्टी ने पानी आपूर्ति को लेकर एमएम वैली परिसर में धरना प्रदर्शन किया था और एनसीपी के नेता अशरफ शानू पठान ने यही पानी की समस्या को लेकर मनपा उपायुक्त संदीप मालवी को लेकर मुंब्रा क्षेत्र का दौरा किया परंतु यह बात समझ से परे है पानी आपूर्ति की समस्या दूर नहीं हो पा रही है कि शुक्रवार 5 नवंबर शाम 4:30 बजे कल्याण डोंबिवली रोड स्थित चिंतामणि होटल के पास एमआईडीसी की फिर से पानी की लाइन टूट गई यह पानी की लाइन टूटने से लाखों लीटर पानी सड़कों पर बह गया और पानी का भाव इस कदर था कि पानी छह घरों में घुस गया वह तो गनीमत थी पानी जिस घर में घुसा उस घर के लोग दिवाली का त्यौहार मनाने के लिए गांव गए हुए थे इस संदर्भ में एक बात और आपसे बता दें कि हाल ही में कल्याण फाटा में भी एमआईडीसी की पानी की लाइन टूट गई थी यह बात समझ से परे है कि आखिर क्या बात है कि आए दिन एमआईडीसी की पानी की लाइन टूटती रहती है और इसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ता है जल विभाग के अधिकारी की पाइप लाइनों पर नजर क्यों नहीं बनी रहती है फिलहाल पाइप लाइन की मरम्मत का काम जल विभाग के कर्मचारी द्वारा शुरू कर दिया गया है और चेताया जा रहा है कि शनिवार की शाम तक पानी के पाइप लाइन की मरम्मत हो जाएगी मानपा प्रशासन से अनुरोध है कि अक्सर एमआईडीसी की पानी की लाइन टूटने से शहर वासियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है आखिर क्यों आए दिन एमआईडीसी की लाइन टूटती रहती है। इस पूरे मामले का गंभीरता से संज्ञान ले और पूरे पाइप लाइन की जांच कराएं और जो पाइप सड चुके हैं उसको हटाकर नया पाइप डलवा दें ताकि आए दिन पाइप लाइन की टूटने की समस्या खत्म हो जाए।

(पृष्ठ 1 का शेष भाग)

भाजपा नेता के आरोप पर 29 नवंबर को.....

यह केस NCB के जोनल डायरेक्टर समीर के पिता ज्ञानदेव वानखेड़े द्वारा दर्ज करवाया गया था। 10 नवंबर को फिर से इस केस की सुनवाई होगी। मामले की सुनवाई जस्टिस जामदार की वैकेशन बेंच ने की है। उन्होंने मलिक को निर्देश देते हुए कहा, 'अगर आप ट्विटर पर रिप्लाई कर सकते हैं, तो यहां भी जवाब दें। हालांकि, कोर्ट ने मलिक के आगे किसी बयान पर रोक लगाने का आदेश जारी नहीं किया।' मजिस्ट्रेट कोर्ट में भाजपा नेता ने मलिक के खिलाफ 100 करोड़ के आपराधिक मानहानि का केस दर्ज करवाया था। अदालत ने आज इसे सुनवाई के लिए स्वीकार करते हुए नियम के अनुसार प्रोसेस जारी किया है। अदालत ने कंबोज की याचिका को सुनवाई के लिए एलिजिबल मानते हुए कहा कि शुरूआती रिपोर्ट में यह साबित होती है कि नवाब मलिक द्वारा बोले गए शब्दों ने कंबोज की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाई है। अब इस मामले में मलिक को अपना पक्ष रखना है। कंबोज ने 31 अक्टूबर को यह मुकदमा दर्ज करवाया था। मुंबई क्रूज ड्रग्स मामले में महाराष्ट्र के मंत्री नवाब BJYM के नेता मोहित कंबोज पर पिछले कई दिनों से लगातार आरोप लगाते चले आ रहे हैं। मोहित कंबोज ने पिछले 9 अक्टूबर को भी नवाब मलिक के नाम का एक नोटिस भेजा था, जिसमें यह कहा गया था कि बिना किसी सबूत के नवाब मलिक की ओर से मानहानि वाले बयान देना गलत है। रविवार को मलिक ने कहा था कि मोहित कंबोज क्रूज ड्रग्स पार्टी केस के मास्टरमाइंड हैं। उनके और वानखेड़े के अच्छे संबंध हैं। दोनों 7 अक्टूबर को एक दूसरे से मिले भी थे। मलिक ने दावा किया है कि आर्यन खान की किडनैपिंग का जाल मोहित के रिश्तेदार ऋषभ सचदेवा के माध्यम से रचा गया था। वानखेड़े के पिता ने अपने मानहानि केस में यह दावा किया है कि मलिक ने पूर्वाग्रह से प्रेरित होकर समीर वानखेड़े और उनके परिवार के सदस्यों के नाम, चरित्र, प्रतिष्ठा और सामाजिक छवि को नुकसान पहुंचाया है। उनकी मांग है कि मलिक, उनकी पार्टी के नेताओं और अन्य सभी को उनके और उनके परिवार के खिलाफ मीडिया में कुछ भी आपत्तिजनक, मानहानि वाले सामग्री लिखने, बोलने या प्रकाशित करने पर रोक लगाई जाए। साथ ही मलिक के इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया में दिए गए सभी बयान जल्द से जल्द हटाए जाएं। उन्होंने दावा किया कि इस मामले में शाहरूख खान से 25 करोड़ रुपए मांगे गए थे और सौदा 18 करोड़ रुपए में तय हुआ था। बतौर एडवांस 50 लाख रुपए दिए गए थे। सौदे की बात बिगड़ गई, क्योंकि केपी गोसावी (क्रूज ड्रग्स मामले में एनसीबी के गवाह) की आर्यन के साथ सेल्फी आर्यन खान की गिरफ्तारी के बाद वायरल हो गई। नवाब मलिक ने आगे कहा कि शाहरूख खान को यह कहकर डराने की कोशिश की गई है कि उन्होंने 50 लाख रुपए की रकम दी है, इसलिए वह भी एक आरोपी बन गए हैं। पिछले महीने एनसीबी के क्षेत्रीय निदेशक समीर वानखेड़े की अगुआई में मुंबई में एक क्रूज पर की गई छापेमारी के बाद आर्यन खान को गिरफ्तार किया गया था और क्रूज से कथित तौर पर ड्रग्स बरामद किया गया था। बाद में आर्यन को बंबई हाईकोर्ट से जमानत मिल गई। मलिक ने कई बार कहा है कि ड्रग्स जब्ती का यह मामला फर्जी है और उन्होंने वानखेड़े के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए।

एसआईटी के सामने नहीं पेश हुए आर्यन.....

क्रूज ड्रग्स पार्टी मामले में आरोपों में फंसा सुनील पाटील रविवार शाम आजाद मैदान पुलिस स्टेशन पहुंचा। वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात के बाद उसे पुलिस की गाड़ी में कहीं और ले जाया गया। मोहित भारतीय ने दावा किया था कि पाटिल इस मामले का मास्टर माइंड है लेकिन उसने आरोपों से इनकार किया। एनसीबी के पंच प्रभाकर साइल द्वारा लगाए गए जबरन वसूली के आरोपों के लिए गठित मुंबई पुलिस की विशेष जांच टीम पाटील का बयान दर्ज कर सकती है। क्योंकि उसने भी आर्यन को छोड़ने जाने के लिए सौदे बाजी और 50 लाख रुपए वसूले जाने की सूचना मिलने की बात कही है।

अहमदनगर अस्पताल हादसा....

लापरवाही करने वालों और दोषी लोगों से निश्चित रूप से निपटा जाएगा। दुर्घटना के समय अस्पताल से अनुपस्थित रहने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह दिल दहला देने वाली घटना है। इस तरह के हादसों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए समुचित सावधानी बरती जा रही है। वह पहले भी तीन-चार बार अस्पताल आ चुके थे। स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सरकार की ओर से पर्याप्त अनुदान दिया गया है। उन्होंने कहा कि अग्निशमन लेखा परीक्षकों के सुझावों पर विचार किया जाएगा और जनप्रतिनिधियों द्वारा दिए गए सुझावों पर अमल किया जाएगा. उन्होंने कहा कि घटना की जल्द से जल्द जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, घायलों को उचित उपचार दिया जाएगा और उन्हें हर संभव मदद दी जाएगी। इस अवसर पर जिला कलेक्टर डॉ. राजेन्द्र भोसले, नासिक संभाग के पुलिस उप महानिरीक्षक दीपक पांडेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

वसई रोड यात्री संघ की मुख्य मंत्री से मांग

वसई-विरार में मीटर से चले ऑटो रिक्षा

वसई - विरार महानगर पालिका क्षेत्र (जिला - पालघर) आज महानगर पालिका क्षेत्र बने 12 साल हो गए है। इन 12 सालों क्षेत्र तेजी से उभरा है और इसका भरपूर विकास हुआ है। एक ही कमी है। वसई - विरार के ऑटो रिक्शा वालों की मनमानी बढ़ती ही जा रही है। मूलभूत सुविधाओं की कमी और लापरवाही से परेशान वसई-विरार के लोगों की राह आसान नहीं दिख रही है। यहां की जनता के सामने पैसे देकर भी मुसीबत मोल लेने जैसी स्थिति है। जनता के लिए कुछ ऐसी ही परेशानी का सबब यहां के रिक्शा वाले हैं। हाल ही में उन्होने ऑटो के भाड़े अपनी मन मर्जी के अनुसार बढ़ा दिये है। उदाहरणतः पहले एवरशाइन (वसई पूर्व) से रेल्वे स्टेशन (वेस्ट) तक का 10 रुपया लगता था जिसके बदले अब 20 रुपया लगने लगा है। अगरवाल नगरी वसई ईस्ट से वसई वेस्ट तक पहले 10 बाद में 12 रुपया लगता था अब अचानक 30 रुपया लगने लगा है। अग्रवाल नगरी से नालासोपारा स्टेशन का १२ रूपया लगता अब 20 रूपया लिया जा रहा है। डी मार्ट पर ऑटो रिक्शा की मनमानी देखी जा सकती है, उनका अपना ही मीनू है। अब नया मुंबई स्तर का मॉल केपिटल खुला है वहां न जाने क्या हालत होंगे इतना भाडा लेने पर भी यात्री को कोई सुविधा नहीं दी जाती ऐसा ही सब जगह है और ट्रेफिक पुलिस के सामने यह सब कुछ चलता है। आज जरुर जब डीजेल/पेट्रोल के दाम बढ़ कर घट गए है फिर भी ऑटो के दाम बढ़ते जा रहे है जबकि बहुताय ऑटो सी एन जी से चलते है। इन भावों की बढ़ोतरी में आर टी ओ की मंजूरी होती है कि नहीं, पता नहीं। अब तो ऑटो में पूरी सवारी बिठाने का भी आर्डर आ गया है पर कोई सुधार नहीं हुआ है जनता परेशान तो है पर साथ ही मजबूर भी है। नौकरी पेशा लोगों को समय से कार्यालय पहुचना होता है। दूसरा ऑटो की जरूरत वरिष्ठ नागरिक व बीमारों को ज्यादा पड़ती है। कहाँ जाना न जाना व कितना भाड़ा वसूलना है वह इनका मौलिक अधिकार है। रात के समय तो यह मौलिक अधिकार और ज्यादा हो जाता है। वसई - विरार में पहले कहा जाता था कि ऑटो वालों को

सी एन जी भरवाने मीरा रोड जाना पड़ता है इस कारण इनकों मनमानी की छुट मिलना चाहिए, पर अब तो सी एन जी पम्प वसई - विरार में भी खुल गए है सो अब मनमानी रुकना चाहिए। एक पीड़ित हरीशकुमार के अनुसार डी मार्ट के पास से सूरज बघेल के आर्थो अस्पताल से एक मरीज को 1 किलोमीटर दूर वसंत नगरी के सेक्टर 6 तक लाना था तो ऑटो वाले ने बड़ी बेशर्मी से 1 00 रुपयों की मांग की जबकि इतनी दूरी मीटर रिक्शा से आया जाय तो 25 रुपये से ज्यादा भाडा नहीं होता है। एक दैनिक हिंदी अखबार की माने तो ट्रैफिक पुलिस के संरक्षण के चलते वसई तालुका में सैकड़ों फर्जी ऑटो रिक्शे चल रहे हैं। वसई, विरार व नालासोपारा में ज्यादातर रिक्शा स्टैंड अवैध हैं। शहर में बिना परमिट, बैच और लाइसेंस के ज्यादातर रिक्शे चलाए जा रहे हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि तालुका में ट्रैफिक पुलिस कितनी ईमानदारी व समझदारी से काम कर रही है। हद तो यह है कि पुलिस के सामने ही रिक्शा वाले यात्रियों के साथ दादागिरी करते नजर आते हैं। रिक्शावालों की मनमानी से वसईकर परेशान हैं। पिछले कई वर्षों से वसई तालुका में सैकड़ों अवैध रिक्शे चलाए जा रहे हैं। शिकायत करने पर कार्रवाई के नाम पर यातायात पुलिस खानापूर्ति कर इन्हें छोड़ देती है। यही हाल उप प्रादेशिक परिवहन (आरटीओ) अधिकारियों का है। शिकायत के बाद भी आरटीओ इन पर कार्रवाई नहीं करती। यहां तक कि आरटीओ वसई-विरार में कभी नजर नहीं आती। गौरतलब है कि वसई, नालासोपारा व विरार में ज्यादातर लोग नौकरीपेशा हैं। रात के समय मुंबई से घर लौटने के बाद बड़ी संख्या में लोग ऑटो से ही जाते हैं। जब कोई पैसेंजर देर रात घर लौटता है और ऑटो स्टैंड पर किसी रिक्शे वाले को मीटर से जाने के लिए कहता है, तो वह 50 रुपये की जगह डेढ़ सौ रुपये मांगता है। जब यात्री इस पर कुछ बोले, तो वह मारपीट पर उतारू हो जाते हैं। बीते कुछ महीनों में वसई तालुका में हुई अपराधिक घटनाओं पर नजर डालें, तो कई वारदातों में रिक्शा वालों का शामिल होना पाया गया है। तालुका में रिक्शावालों ने बलात्कार, छेड़छाड़, लूटपाट, मारपीट की वारदातें की हैं। वसई में हाल में चालक की छेड़छाड़ से बचने के लिए एक युवती ने चलते ऑटो से छलांग लगा दी थी। इस तरह की वारदातों में ज्यादातर बोगस रिक्शे वाले होते हैं। यहां एक ही नंबर के दो रिक्शे भी पकड़े जा चुके हैं। वसई-विरार में जिन जगहों पर सुबह शाम भारी ट्रैफिक की समस्या होती है। वहीं, यहां के यूनियन लीडरों ने अपने-अपने रिक्शा स्टैंड बनवा रखे हैं। इन जगहों पर रिक्शा खड़ा करने पर भारी जाम की समस्या हो जाती है। बताया जाता है कि वसई तालुका में लगभग 18 हजार से अधिक रिक्शा हैं, जिसमें आधे से अधिक फर्जी बताए जा रहे हैं। हाल ही में हमारी संस्था ने सोशल मीडिया वसई लोकल में जनता की राय जानने की कोशिश की तो सैकड़ों कमेन्ट आए उन सब में कामन बात यह थी कि रिक्शा मीटर से ही चलाना चाहिए पर इसके लिए वसई - विरार के राजनीतिक दलों की इक्षा शक्ति की कमी बताई गई है। ऑटो वालों की मनमानी रोकने का एक ही तरीका है, वो है कि ऑटो वाले ठाणे, मुंबई, मीरा - भायन्दर की तरह मीटर से चले। आज ठाणे, मुंबई, मीरा - भायन्दर के यात्री लोग खुश है। यह खुशी वसई - विरार के यात्री लोगों को भी मिलना चाहिए।

नगर पालिका परिषद कार्यालय नेपानगर में मनाया गया दीपावली मिलन समारोह

नेपानगर नगर पालिका अध्यक्ष राजेश चौहान ने सहपत्नी नगर पालिका कार्यालय पहुंच कर कार्यालय परिसर मे समस्त कर्मचारियों के साथ मनाया दीपावली मिलन समारोह। नगर पालिका के सफाईकर्मी और अन्य कर्मचारियों को दीपावली और भाई दूज की शुभकामनाएं देते हुए पुष्प माला से सभी कर्मचारियों का किया स्वागत कर मिठाई वितरित की। तो वही नगर पालिका अध्यक्ष की पत्नी श्रीमती मीना चौहान ने भी महिला सफाई योद्धाओं को पुष्प देकर समानित किया। नगर पालिका के दीपावली मिलन समारोह के दौरान करीब 203 कर्मचारियों को मिठाई वितरित कर दीपावली की शुभकामनाएं प्रेषित कर समानित किया गया। नपा अध्यक्ष राजेश चौहान ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे नगरपालिका के सफाई कर्मचारियों ने कोरोना काल में अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाई है संकट की घड़ी में दिन-रात डटे रहे इसलिए हम इन सफाई कर्मियों को अब सफाई योद्धाओं के नाम से संबोधित करते हैं। सभी कर्मचारियों ने कोरोना महामारी के समय जो काम किया है। वह कभी भुलाया नही जा सकता है। पुलिस का काम भी नगर पालिका के सफाई योद्धाओं ने बखूबी किया है हमारे सफाई कमीर्यो ने रात - रात भर जागकर ईमादारी पूर्वक शहर कि चारों सीमाओं पर बने चेक पोस्ट पर डटे रहे, शहर के अंदर आने वाले रास्तो पर ड्यूटी देकर संदिग्ध मरीजों और अन्य जिले से आने वाले कोरोना संदिग्ध लोगों की पहचान कर नगर में आने से रोका और प्रशासन का सहयोग किया। जिसके चलते नेपानगर में कोरोना को फैलने से रोका गया। कोरोना महामारी के दौरान नगर की सफाई के साथ-साथ कोरोना संक्रमित इलाकों को सैनिटाइज किया हमारे सफाई कोरोना योद्धाओं ने प्रशासन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अपना कर्तव्य निभाया है ह्न कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका सीएमओ राजेश मिश्रा और अन्य कर्मचारी अधिकारी मौजूद रहे।

भीलवाड़ा के नरेंद्र सिंह किशनावत सनातन हिन्दू युवा वाहिनी के सह संयोजक बने

संवाददाता/भैरु सिंह राठौड़,

भीलवाड़ा (राजस्थान)। भीलवाड़ा के कट्टर हिन्दू युवा नेता एवं समाजसेवी नरेन्द्र सिंह किश्नावत को भीलवाड़ा का सह संयोजक मनोनीत किया गया है। हिन्दू युवा वाहिनी के भीलवाड़ा जिलाध्यक्ष अनूप शर्मा की अनुशंसा पर महामंत्री देवेन्द्र गर्ग की सहमति से प्रदेश अध्यक्ष हरि सिंह राठौड़ ने भीलवाड़ा के युवा नरेन्द्र सिंह किशनावत को हिंदू युवा वाहिनी का भीलवाड़ा का सह संयोजक मनोनीत किया गया है। प्रदेश अध्यक्ष हरि सिंह राठौड़ व जिला अध्यक्ष अनूप कुमार शर्मा ने किशनावत के जिलाध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर संगठन की गतिशीलता व किशनावत के प्रयास से संगठन के निर्बाध रुप से आगे बढ़ने पर आशा जताई हैं। युवा नरेन्द्र सिंह किशनावत ने अपनी इस नियुक्ति पर प्रदेश अध्यक्ष हरि सिंह राठौड़ व जिलाध्यक्ष अनूप कुमार शर्मा का दिल से हार्दिक आभार जताया हैं। किशनावत ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि वह संगठन की गरिमा रखने व विधिनुसार कार्य करने का हरसंभव प्रयास करेंगे। किशनावत के सह संयोजक मनोनीत होने पर कई इष्ट मित्रों व शुभचिन्तको ने बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। बधाई देने वालों में भारतीय ग्रामीण पत्रकार संघ के राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष एवं राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़, सनातन हिन्दू युवा वाहिनी

के भीलवाड़ा शहर अध्यक्ष दिलीप राव, जिलाध्यक्ष अनूप कुमार शर्मा, राजू बन्ना राक्षी, महावीर शर्मा, सत्यनारायण सुथार, राधेश्याम, राजेन्द्र सिंह, तेज सिंह, अनूप सिंह, समाजसेविका एवं कट्टर महिला हिन्दू नेता के. बी. सुखवाल (उदयपुर), दिल्ली हाईकोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता राजेन्द्र सिंह तोमर, आमेसर के कट्टर हिन्दू युवा नेता एवं पत्रकार कृष्ण गोपाल शर्मा, रामसुख मेघवंशी (आमेसर), पत्रकार गोपाल वैष्णव (रायला), संपत राज वैष्णव (जोधडास) आदि ने किशनावत को बधाई और शुभकामनाएँ दी तथा उज्जवल भविष्य की कामना की हैं! बधाई देने के लिए किशनावत ने सभी का आभार व्यक्त किया हैं।

भारत की हार पर पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा वाले गद्दारों के खिलाफ देश विरोधी मुकदमा दर्ज हो - के. बी. सुखवाल

संवाददाता/भैरु सिंह राठौड़,

भीलवाड़ा (राजस्थान)। उदयपुर की कट्टर हिन्दू महिला नेता एवं वरिष्ठ समाजसेविका के. बी. सुखवाल ने क्रिकेट में भारत की हार पर पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाने वाले गद्दारों के खिलाफ कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ से अपने विचार साझा करते हुए कहा कि ऐसे गद्दारों पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज होकर उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही होकर उन्हें सदा सदा के लिए देश से बाहर कर देना चाहिए, उन्होंने कहा कि ऐसे देशविरोधी गद्दारों के लिए हिन्दूस्तान में कोई जगह नहीं हैं। सुखवाल ने आगे कहा कि ऐसे देशविरोधी तत्व पूरी तरह पूर्णतया माल खावे माटी का और गीत गावे बीरा का वाली कहावत को चरितार्थ कर रहे हैं जो हर देशभक्त हिन्दूस्तानी नागरिक को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे गद्दार भविष्य में देश के लिए बहुत बड़ा खतरा हैं। उन्होंने ऐसे देशविरोधी गद्दारों के खिलाफ कथित राजनेताओं द्वारा शरण देने व राज्य सरकारों द्वारा कार्रवाई में शिथिलता पर कड़ा एतराज जताया हैं। वरिष्ठ समाजसेविका एवं कट्टर हिन्दू महिला नेता के.

बी. सुखवाल ने कहा कि समय रहते देश विरोधी ताकतों का समर्थन करने वाले राजनेताओं का जनता द्वारा पूर्ण बहिष्कार किया जाना चाहिए, उन्होंने कहा कि आने वाले लोकसभा चुनावों में जनता भ्रष्टाचार मुक्त और राष्ट्रभक्त नेताओं का चयन करें। उन्होंने भगवान श्रीराम को काल्पनिक बताकर अदालत में हल्पनामा दायर कर करने वाले कथित हिन्दू माता के पेट पैदा हुए कांग्रेस के गद्दार नेताओं पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि भगवान श्रीराम की लाठी की मार बेआवाज होती हैं पर जिसके उपर भी इसका प्रहार होता हैं उसकी सदा सदा के लिए दुर्गति शुरू हो जाती हैं, उन्होंने इसके लिए कांग्रेस पार्टी और उनके नेताओं का ताजा तरीन उदाहरण दिया और कहा कि देश में एकछत्र राज करने वाली कांग्रेस पार्टी आज हासिये पर सिमट कर राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा खोकर क्षेत्रीय पार्टी की श्रेणी में आ गई है। ये भगवान श्रीराम की अदृश्य ताकत का ही परिणाम हैं। उन्होंने मोदी सरकार के कार्यकाल को देश के लिए काफी हद तक संतोषजनक बताया, उन्होंने कहा कि हम जब तक देश के लिए राष्ट्रभक्त नेताओ का चयन करेंगे तब तक हम सुरक्षित हैं।

मुंबई में १३ फरवरी २०२२ रविवार को १६ वां जश्ने शाह शराफत मींया के मौके पर ५० से ज्यादा जरुरत मंद लडकीयों की सामुहीक विवाह (समुह शादी) का भी प्रोग्राम

संवाददाता शोएब म्यानुंर, मुंबई। हजरत शाह सकलैन एकेडमी ओफ ईन्डीया मुंबई युनिट की और से १३ फरवरी २०२२ रविवार को १५ वां जश्ने शाह शराफत मीया के पुर नुर मौके पर हर साल की तरहाँ ईस सील भी ५० से ज्यादा सुन्नी मुस्लिम जरुरत मंद लडकीयों की समुह शादी का भी आयोजन किया गया है, जोगेश्वरी युनीट के जनाब शोएब म्यानुंर सकलैनी ने बताया है की ईस साल भी यह जश्ने शाह शराफत और समुह शादी बरेली के मशहूर, पीरे तरीकत, रहेबरे शरीअत, सीलसीला ए नक्श बंदी, पीरो मुर्शिद शाह मुहम्मद सकलैन मिंया हुजूर, बरैली से तशरीफ लाएंगे और आपकी जेरे परस्ती मे येह प्रोग्राम होगा, ईस समुह शादी मे दुल्हा, दुल्हन को, घर बसाने के लीये घर का पुरा सामान (दहेज) हजरत शाह सकलैन एकेडमी ओफ ईन्डीया मुंबई युनीट की और से दीया जाता है, हजरत शाह सकलैन एकेडमी ओफ ईन्डीया समुह शादी विभाग के, सीराज जरीवाला, अब्दुल अजीज सांढा, अब्दुल कादर सांढा, फैसल भखरानी, उसमान घडीयाली, सईद भाई मुछाडा, अभी से त्यारीओ में जुटे हुवे हैं, हजरत शाह सकलैन एकेडमी ऑफ इंडिया पुरे भारत देश में जगह जगह कार ए खैर के कामों को अंजाम दे रहे हैं। जगह जगह समुह शादी, मेड़िकल केंम्प, स्कुल फीस में मदद करना, जरूरतमंद लोगों को खाना देना जैसे अनेक भलाई काम करती है। और अपने पीरो मुर्शीद हजरत शाह सकलैन मियां हुजूर के बताए अनुसार अमन और भाईचारे के साथ एकेडमी के लोग सब कामों को अंजाम देते हैं।

राजस्थान में मंत्रिमंडल विस्तार - फेरबदल का तारीख दिन अभी तय नहीं

संवाददाता/भैरु सिंह राठौड़,

भीलवाड़ा (राजस्थान)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सोमवार को प्रशासन गांव की ओर अभियान शिविर का किशनगढ़ विधानसभा क्षेत्र के डबरेला मे निरीक्षण करने आने की बात आई! स्थानीय प्रशासन अमले द्वारा बकायदा मुख्यमंत्री के डबरेला शिविर निरीक्षण मे आगमन एवम हैलीपैड व्यवस्था तक की तैयारी हुई? दोपहर में खबर फैली, मुख्यमंत्री गहलोत सोमवार को जौधपुर तथा जौधपुर से दिल्ली जायेगे! शाम तक सीएम प्रशासन से मुख्यमंत्री के सोमवार कार्यक्रम का ब्यौरा जारी नहीं हुआ! इस पर मैने इस बाबत मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों से मोबाइल फोन बातचीत सेओर मैसेज भेज, सच्चाई जानने की मशक्कत की। लेकिन सीएम आफिस से जुडे अफसरों का सीधा जवाब मिलाऽहमे मुख्यमंत्री के सोमवार यात्रा कार्यक्रम की कोई जानकारी नहीं हैऽ! देर रात तक मुख्यमंत्री के सोमवार यात्रा कार्यक्रम की कोई सूचना जारी नहीं हुई। आज सोमवार सुबह से मुख्यमंत्री गहलोत के मंगलवार को प्रदेश के तीन जिलों अजमेर, जौधपुर, बाडमेर मे प्रशासन गांव की ओर शिविर का निरीक्षण करने जाने संभावना जताई जाने लगी हैं। इससे पहले दीपावली पर्व के ठीक बाद बात सामने आई, मुख्यमंत्री गहलोत को हल्का वायरल फीवर होने तथा मुख्यमंत्री गहलोत मुलाकात के इच्छुक किसी भी नेता से मुलाकात नहीं कर रहे? मै यह सब पुरानी खबर इस लिए बता रहा हूँ कि, प्रदेश में समाचार पत्रों ओर टीवी चैनलों मे दीपावली बाद मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर कयासो का बाजार गर्म है। उसमे मुख्यमंत्री गहलोत की फाईनल बातचीत के लिए शीघ्र दिल्ली जाने की अलग चर्चा है। इस नाते मुख्यमंत्री गहलोत कब-कहाँ जायेंगे? को लेकर सभी को उत्सुकता है। इन्हें सबके बीत जाने के पश्चात मैने प्रदेश में काफी समय से प्रतिक्षित मंत्रिमंडल विस्तार-फेरबदल पर नये बिन्दु - सिरे से अपनी पडताल शुरू की! मंत्रिमंडल विस्तार-फेरबदल को लेकर अभीतक अंतिमरुप नहीं होने तथा इससे तारीख-दिन समय तय नहीं होने के संकेत मिल रहे हैं। अब लग रहा है कि, काग्रेंस हाईकमान मंत्रिमंडल में खराब प्रफोर्मेश ओर विवादित मंत्रियों को हटाने की मंशा रख रहा है और मुख्यमंत्री किसी मंत्री को हटाने के पक्ष मे नहीं? बात इससे बन नहीं रही है? इस नाते दिल्ली यात्रा टल रही हैं! मुख्यमंत्री गहलोत के प्रदेश में प्रशासन गांव अभियान शिविर का निरीक्षण करने जाने की बाते हो रही है? दिल्ली सीडब्ल्यूसी बैठक बाद शाम राहुल गांधी निवास पर काग्रेंस सूप्रीमो प्रियंका गांधी ओर प्रदेश संमन्वय कमेटी सदस्य वेणुगोपाल, अजय माकन के साथ मुख्यमंत्री गहलोत की मुलाकात-बातचीत में, संमन्वय कमेटी सदस्यों की रिपोर्ट पर चर्चा, मुख्यमंत्री को हाईकमान के विवादित मंत्रियों को हटाने की मंशा ओर इस अनुरूप मंत्रिमंडल का नया गठन करने के संकेत मिलने के आसार नजर आ रहे है। हाँ! सीडब्ल्यूसी बैठक से एक दिन पहले शाम, काग्रेंस आलानेता अंबिका सोनी से मुख्यमंत्री गहलोत की दिल्ली मुलाकात केवल शिष्टाचार भेट मात्र थी? मुझे पुख्ता जानकारी प्राप्त हुई कि, मुख्यमंत्री गहलोत ओर अंबिका सोनी के

बीच तब राजस्थान मंत्रिमंडल तथा किसी लंम्बित मसले पर कोई चर्चा नहीं हुई हैं? राजस्थान प्रदेश काग्रेंस प्रभारी रही अंबिका सोनी से मुख्यमंत्री गहलोत यदाकदा मिलते रहे हैं ओर सीडब्ल्यूसी बैठक से पहले की मुलाकात भी इस की कडी मात्र थीथी! अभी शीघ्रातिशीघ्र मंत्रिमंडल विस्तार- फेरबदल नहीं होने के साफ संकेत मे, राज्यपाल कलराज मिश्र के दिल्ली राज्यपाल सम्मेलन हेतु 10 नवंबर से दो-तीन दिन के लिए राजस्थान से बाहर रहने की संभावना हैं?

मानवता ईश्वर के लिये, कल्याण संस्था परिषद की मुंबई अध्यक्ष बनी - एक्ट्रेस शिरीन फरीद मीरा रोड - मुंबई से सटे इलाका मीरा रोड के ओल्ड गोल्डन नेस्ट के माली बैन्कवेट हॉल में संस्था की इन्टरनेशनल अध्यक्ष नूर बानो गौस की अध्यक्षता में महाराष्ट्र अध्यक्ष नूर खान ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अब्दुल हमीद के आदेश पर कोरोना वारियर्स सम्मान समारोह और संस्था में नए लोगो को नियुक्ति पत्र देकर उनका सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम को लेकर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सैयद आबिद हुसैन उर्फ बजरंगी भाईजान ने भी खुशिया जताई तो वही कार्यक्रम में प्रमुख रुप से शामिल लोगो में मुंबई अध्यक्ष सुमित सिंह, पालघर जिलाध्यक्ष बशीर शेख, महाराष्ट्र सलाहकार इलियास खान, महाराष्ट्र उपाध्यक्ष निसार शेख, की मौजूदगी रही। तो वही देश विदेश मे तकरीबन दो हजार से अधिक लाईव शो करने वाली बेस्ट क्लासिकल परफॉर्मर बॉलीवुड एक्ट्रेस शिरीन फरीद को मुंबई अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गयी। इसके अलावा भावना प्रकाश सी पांचाल को थाणे जिले का जिलाध्यक्ष, प्रशांत श्रीवास्तव को पालघर जिले के मेडिकल सेल की जिम्मेदारी दी गई। संदीप कुमार तिवारी को जनरल सेक्रेटरी मुंबई, सुनील पुजारी को मुम्बई उपाध्यक्ष, रीतेश पाठक को महाराष्ट मीडिया प्रभारी, एडवोकेट प्रीसीला सैमुएल को लीगल एडवाइजर महाराष्ट्र बनाया गया। इस मौके पर सभी का संस्था के पदाधिकारियों द्वारा सम्मान भी किया गया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

यूपी विधानसभा चुनाव के लिए राष्ट्रीय लोकदल ने जारी किया घोषणा पत्र

एक करोड़ बेरोजगार युवाओं को मिलेगी नौकरी, महिलाओं को आरक्षण: जयन्त चौधरी

रिपोर्टर/अरमान उलहक

शामली। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव दोहजार बाइस में महज चंद माह दूर हैं ऐसे में सूबे की सियासी तपिश भी बढ़ने लगी है। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने महिला कार्ड खेलने के साथ पिछले दिनों कांग्रेस की प्रतिज्ञा गिनाई तो अब राष्ट्रीय लोक दल ने भी अपने पत्ते खोल दिए हैं।आरएलडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयन्त चौधरी ने कल अपना यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर संकल्प पत्र जारी कर दिया।

राष्ट्रीय लोकदल ने 2022 चुनाव के बाइस संकल्प बताए हैं अपने संकल्प पत्र में आरएलडी ने युवाओं को नौकरियों से लुभाने की कोशिश की है तो महिलाओं के

लिए सरकारी नौकरियों में पचास प्रतिशत आरक्षण के वायदे के साथ प्रियंका गांधी के महिला कार्ड की काट करने का भी प्रयास किया है। पार्टी ने किसानों के साथ ही सूबे के बुजुर्गों पर भी डोरे डाले हैं।

आरएलडी ने विधानसभा चुनाव को लेकर जारी अपने बाइस सूत्रीय संकल्प पत्र में युवाओं को एक करोड़ नौकरियां देने का वादा किया है। पार्टी ने किसानों को आलू का डेढ़ गुना दाम, गन्ना किसानों को भी डेढ़ गुना दाम और चौदह दिन में भुगतान करने का संकल्प व्यक्त किया है।आरएलडी ने वृद्धावस्था पेंशन तीन गुना करने और महिलाओं के लिय पचास प्रतिशत आरक्षण का भी संकल्प व्यक्त किया है।

पार्टी ने क्षेत्रीय समीकरण साधने के लिए हाईकोर्ट की बेंच का कार्ड चल दिया है आरएलडी ने अपने बाइस संकल्पों में पूर्वांचल, बुंदेलखंड और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी हाईकोर्ट की बेंच स्थापित करने के संकल्प को भी शामिल किया है ।

निष्ठा आनलाइन कोर्स में लगे शिक्षकों की राशि का भरपाई करे सरकार: मशकूर आलम

संवाददाता/ मो सालिम आजाद

मधुबनी। बिहार प्रदेश प्रारंभिक शिक्षक संघ जिला इकाई मधुबनी की एक बैठक संघ के जिला कार्यालय शम्स मंजिल लहेरियागंज वार्ड में में हुई, बैठक को सम्बोधित करते हुए जिला अध्यक्ष मशकूर आलम ने कहा के जब से सरकार निष्ठा आनलाइन कोर्स चलाया है तब से शिक्षकों ने अपना पैसा हजारों में वहन किया है और कर रहे हैं। इस कोर्स को करने के लिए शिक्षकों के पास एंड्रॉयड मोबाइल होना चाहिए,जिन शिक्षकों के पास ये मोबाइल नहीं था उन्होंने कई हजार रुपए लगाकर मोबाइल खरिदा, फिर कोर्स करने के लिए नेट की आवश्यकता थी अब नेट पैक डाला जो 399/-का है, अक्टूबर-2020 से यह कोर्स चल रहा है नवम्बर 2021 तक नेट पैक में शिक्षकों ने अपने जेब से 4800/- रुपए का वहन किया है और यह कोर्स मार्च 2022 तक चलेगा यानी के शिक्षकों को अपने जेब से 6400/- रुपए का वहन करना होगा । जबकि आफलाइन कोर्स में सारा खर्चा सरकार वहन करती हैं। बिहार प्रदेश प्रारंभिक शिक्षक संघ बिहार सरकार से मांग करती है के इस कोर्स में लगे शिक्षकों की राशि का भरपाई शिक्षा विभाग करे अगर सरकार नहीं करती है तो संघ राज्य व्यापी आंदोलन करेगी। बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रवक्ता सह जिला सचिव श्री अरविन्द नाथ झा और मोहम्मद एहसान ने कहा के लम्बी लड़ाई के बाद शिक्षकों के वेतन में अप्रैल-2021 से 15% बढ़ोतरी करने का फैसला बिहार सरकार ने लिया लेकिन 8 महिने बीत रहे हैं अभी तक शिक्षकों को इस का लाभ नहीं मिला ,सौफ्टवेयर के नाम पर सरकार टाल मटोल कर रही है, अभी विधानसभा उप चुनाव में माननिय मुख्यमंत्री श्री नितीश कुमार ने कहा है के इसी महीने सौफ्टवेयर लौन्च किया जाएगा अब देखना है के माननीय मुख्यमंत्री महोदय का यह चुनावी जुमला तो नहीं था। सरकार को चेतावनी देते हैं के अगर सरकार इस महीने सौफ्टवेयर लौन्च नहीं करती है तो

संघ निश्चित रूप से राज्य व्यापी आंदोलन का संखनाद करेगी। वहीं प्रखण्ड अध्यक्ष बेनीपट्टी श्री अखिलेश कुमार झा एवं रहिका प्रखण्ड अध्यक्ष श्री श्रवण कुमार राय ने कहा के ईपीएफ कटौती के उपरांत भी शिक्षकों के ईपीएफ खाते में विभाग के द्वारा राशि जमा नहीं की जा रही है इस मामले में संघ कई बार जिला शिक्षा पदाधिकारी मधुबनी एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी मधुबनी को पत्र के माध्यम से अवगत करा चुकी है और साथ ही साथ संघ के प्रतिनिधि कई बार इस पदाधिकारियों से वातार्लाप भी कर चुकी है, इस महीने के अंत तक विभाग के द्वारा ईपीएफ की राशि शिक्षकों के ईपीएफ खाते में हस्तांतरित नहीं की जाती है तो संघ बाध्य होकर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना मधुबनी के कार्यालय का घेराव करेगी। बैठक में संघ के जिला उपाध्यक्ष तकी अख्तर,रहिका प्रखण्ड के प्रधान महासचिव मोहम्मद सदरे आलम ने सरकार से मांग कि के अप्रशिक्षित शिक्षकों को सरकार एक और मौका दे उस के लिए यथा शिघ्र परिक्षा की तिथि घोषित करे और जव तक अप्रशिक्षित हैं उन्हें अप्रशिक्षित वेतन मिले, आज के बैठक को अशोक कुमार पासवान, पवन कुमार पासवान, अभिषेक कुमार, चन्द्रलता कुमारी,असगरी बेगम, संजीव पाठक, रवीन्द्र कुमार झा, ओमप्रकाश, मोहम्मद अमानुल्लाह,अवसार अहमद,नरेश भंडारी, मोहम्मद साजिद हुसैन, आदि ने भी संबोधित किया।

यूपी में कानून-व्यवस्था ध्वस्त

मैनपुरी में दो नवालिगों के साथ बलात्कार

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश सरकार एक और अपराध को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है लगातार अपराधियों की धड़पकड़ को अभियान चलाया जा रहा है काफी संख्या में हिस्ट्रीशीटरों के इनकाउंटर भी किये गए हैं फिर भी इंसानियत के दुश्मन मानवता को शर्मसार करने वाली घटनाओं को लगातार अंजाम दे रहे हैं ऐसी ही घटना सामने आई है उत्तर प्रदेश के मैनपुरी से मैनपुरी में दो नाबालिग बहनों के साथ अपराधियों ने बलात्कार की घटना को अंजाम दिया है।पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दूसरा आरोपी फरार है। उसकी तलाश कर रही है।

मैनपुरी जिले के दन्नाहार थाना क्षेत्र में रिश्ते की दो नाबालिग बहनों के साथ दो युवकों ने दुष्कर्म किया। दोनों बहनें शुक्रवार की शाम खेत पर गईं थीं। तभी रास्ते में दो युवकों ने उन्हें पकड़ लिया और झाड़ियों में खींच कर ले गए। पीड़ित किशोरों के परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार को उक्त आरोपी को जेल भेजा गया। पुलिस दूसरे आरोपी की तलाश कर रही है।

जानकारी के मुताबिक दन्नाहार थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी दो नाबालिग बहनें शुक्रवार की शाम करीब छह बजे घर से खेत की ओर गईं थीं। गांव के बाहर बंबा की पटरी के पास पहुंची, तभी दन्नाहार क्षेत्र के गांव गोपालपुर निवासी गौरव शाक्य और बिछवां के गांव करीमगंज निवासी सौरभ ने किशोरियों को पकड़ लिया और झाड़ियों में खींच ले गए। आरोप है कि दोनों ने किशोरियों के साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद दोनों आरोपी भाग गए।

पीड़ित किशोरियों ने घर पहुंचकर परिजनों को जानकारी दी। परिजन उन्हें लेकर थाने पहुंचे। मामले में तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने एक आरोपी सौरभ को गिरफ्तार कर लिया। शनिवार को उसे पुलिस ने न्यायालय में पेश किया गया। वहीं पुलिस दूसरे आरोपी की तलाश में दबिश दे रही है। उधर, पुलिस ने पीड़ित किशोरियों का मेडिकल कराया है।

यूपी में भाई और बहन के प्यार का प्रतीक भैयादूज का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

रिपोर्टर/अरमान उलहक

सम्भल। बहन और भाई के पवित्र रिश्ते का पर्व भैयादूज अपनी परम्परा और आस्था के साथ उत्साह से सराबोर दिखा।भारत में एक और जहाँ धर्म को लेकर आपस में मतभेद चल रहे हैं और मजहब के नामपर जमकर सियासत हो रही है वहीं उत्तर प्रदेश के संवेदनशील जनपद सम्भल से सुखद खबर सामने आयी है सम्भल में भैया दूज का पवित्र त्यौहार धूमधाम के साथ मनाया गया सम्भल में भाई और बहन के प्यार का प्रतीक भैया दूज का पर्व हर्षोल्लास और सादगी के साथ मनाया गया भारत में विभिन्न धर्मों के सम्मानित लोग मौजूद हैं इसकी जीती जागती मिसाल हैं जनपद सम्भल से इकत्तीस विधानसभा क्षेत्र चन्दौसी से भारतीय जनता पार्टी की विधायक व उत्तर प्रदेश सरकार में माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री श्रीमति गुलाबदेवी जोकि भैया दूज के पर्व पर अपने मुँह बोले मुस्लिम भाई सम्भल के ग्राम मऊ भूड़ निवासी समाजसेवी श्री फिरोज खान साहब के तिलक लगाकर आपसी सौहार्द और भाईचारे की मिसाल पेश की तिलक लगवाकर फिरोज खान ने अपनी प्रिय बहन राज्यमंत्री गुलाबदेवी जी उपहार देकर बहन को आशीर्वाद देकर उज्जवल भविष्य के

लिए तरक़्क़ी और उन्नति की दुआ की यह मिसाल है भारत की एकता और अखंडता की जोकि सम्भल में एक नजीर बनी हुई है जिसकी चारों और जमकर प्रशंशा हो रही है।

राज्यमंत्री गुलाबदेवी ने मुस्लिम भाई फिरोज खान के तिलक लगाकर सौहार्द की मिसाल पेश की

धुंआ गर्भस्थ शिशु की सेहत को कर सकता है प्रभावित

जंगल में लगी आग का धुंआ गर्भस्थ शिशु की सेहत को प्रभावित कर सकता है। एक अध्ययन के निष्कर्षों के मुताबिक जंगल में लगी आग का धुंआ नवजात के कम वजन का कारण बन सकता है। अध्ययन के निष्कर्ष ई लाइफ पत्रिका में प्रकाशित हुए हैं। अध्ययन के निष्कर्ष के मुताबिक गर्भावस्था के दौरान जंगल की आग के धुंए के संपर्क में आना खतरनाक साबित हो सकता है।

कम हो सकता है वजन

निम्न आय वर्ग वाले देशों में कम वजन वालों नवजात व धुंए को लेकर पहला अध्ययन

यह अध्ययन निम्न और मध्यम आय वाले देशों (एलएमआईसी) में जन्म के समय कम वजन और आग के धुएं के बीच संबंध को स्थापित करने वाला पहला अध्ययन है। एलएमआईसी में जहां भी जंगलों, खेत में आग लगती है, वहां पर 90 फीसदी बच्चे कम वजन के साथ पैदा होते हैं, जबकि जंगल की आग, उष्णकटिबंधीय वनों की कटाई और कृषि बायोमास जलना, स्थलीय पारिस्थितिक तंत्र को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कम वजन वाले बच्चों को कई तरह की बीमारियों का खतरा

अध्ययन को चीन स्थित पेकिंग विश्वविद्यालय ने किया है। विवि के स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ साइंस और इंस्टीट्यूट ऑफ रिप्रोडक्टिव एंड चाइल्ड हेल्थ से पीएचडी कर रहे वह अध्ययन में शामिल जियाजियांगहुई ली ने बताया, जन्म के समय कम वजन वाले शिशुओं को सामान्य वजन वाले नवजात शिशुओं की तुलना में जीवन में कई तरह की बीमारियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि पूर्व के कई अध्ययनों में धुंए की वजह से फेफड़े और दिल को होने वाले नुकसान के बारे में बताया गया है, लेकिन अभी तक गर्भवती महिलाओं पर इन प्रदूषकों के स्वास्थ्य प्रभावों के बारे में अच्छी तरह से पता नहीं था। ऐसे में हमने गर्भस्थ शिशु पर धुंए के असर को जानने के लिए यह अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने अध्ययन के लिए 54 एलएमआईसी में मां के साथ भाई-बहनों के 108,137 समूहों का मिलान किया। इसके लिए शोधकताओं ने 2000 और 2014 के बीच यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट द्वारा किए गए सर्वेक्षणों का उपयोग भाई-बहन के वजन और अन्य स्वास्थ्य और जनसांख्यिकीय कारकों के बारे में जानकारी का पता लगाने के लिए किया। इसके बाद शोधकताओं ने ग्लोबल फायर एमिशन डेटाबेस से आग उत्सर्जन के आंकड़ों का उपयोग करके जंगल की आग के प्रदूषकों का आकलन करते हुए एक मॉडल विकसित किया।

मेकअप के लिए कई तरह से कर सकते हैं एक ही लिपस्टिक का इस्तेमाल

लिपस्टिक एक ऐसी चीज है जो हर महिला के पास होती ही है। बस महिलाओं को ये जानने की जरूरत है कि लिपस्टिक का इस्तेमाल कई तरह से किया जा सकता है। जानते हैं, लिपस्टिक को अलग-अलग तरह से इस्तेमाल करने के सिंपल तरीकों के बारे में।

ब्लशर

एक ब्लशर का इस्तेमाल गाल को हल्का लाल करने के लिए किया जाता है। इसके लिए आप लिपस्टिक का गुलाबी या लाल रंग का शेड इस्तेमाल कर सकते हैं और अपने गालों पर लगा सकते हैं। अपनी उंगलियों का इस्तेमाल करें अपने गालों पर लिपस्टिक के एक हिस्से को ब्लश इफेक्ट के लिए थोड़ा-थोड़ा करके लगाएं और ब्लेंड करते रहें। आप पर्पल लिपस्टिक को ब्लश के तरह इस्तेमाल कर सकते हैं, यह ब्लश को काफी न्यूट्रल इफेक्ट देती है।

आईशैडो

हम में से कई लोगों के लिए लिपस्टिक का आईशैडो के रूप में इस्तेमाल करना एक सामान्य हैक है लेकिन पलकों पर लिपस्टिक लगा कर, इसे स्वाइप करें और बाद में इसे अपनी उंगली से थपथपाएं। क्रीम बेस सेट करने के लिए, आप एक लूज पाउडर का उपयोग कर सकते हैं।

करेक्शन

लिपस्टिक को आप कंसीलर की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। आप लिपस्टिक का इस्तेमाल तब कर सकते हैं जब आप अपने आई बैग के नीचे एक करेक्टर का इस्तेमाल करना चाहते हैं।

ब्रोंजर

आपके चेहरे शेप बदलने के लिए ब्रोंजर का इस्तेमाल किया जाता है। कंटूर और ब्रोंजिंग से चेहरा पतला दिखता है। अगर आपके लिपस्टिक कलेक्शन में क्रीमी ब्राउन रंग है तो आप उसे ब्रोंजर के तौर पर इस्तेमाल कर सकती हैं। ऐसे में आप बहुत सारे प्रोडक्ट लेकर जाने से बच जाती हैं। इसके लिए ब्लश की तरह, अपनी उंगलियों का इस्तेमाल करके अपनी चीकबोन्स, जोलाइन, माथे और नाक पर लगाएं। इसके लिए ब्रश का इस्तेमाल अच्छी तरह से लगाएं।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अमिताभ का अधूरा सपना

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन इन दिनों क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति 13' को होस्ट करते नजर आ रहे हैं। शो के दौरान अमिताभ बच्चन अपनी जिंदगी के कई दिलचस्प किस्से भी साझा करते हैं। हाल ही में बिग बी ने खुलासा किया कि वह पायलट बनना चाहते थे। अमिताभ बच्चन ने शो के एक कंटेस्टेंट को बताया कि वह पायलट बनना चाहते थे। हालांकि उनकी मां तेजी बच्चन नहीं चाहती थीं कि अमित पायलट बने। दरअसल उनकी मां डरती थीं कि अमिताभ के पैर काफी लंबे हैं और उनको दिक्कत होगी। अमिताभ बच्चन ने कहा, जब मैं बच्चा था तो बचपन में एयरफोर्स ज्वॉइन करने और पायलट बनने का सपना देखता था। लेकिन हमारी मां को डर लगता था कि हम हवाईजहाज उड़ाएंगे। लेकिन एक बात मुझे भी लगती थी कि मेरी टांगें लंबी हैं तो एयरप्लेन में कैसे घुसूंगा। इसके बाद अमिताभ ने पायलट बनने का सपना छोड़ दिया। वर्क फ्रंट की बात करें तो अमिताभ बच्चन इन दिनों कई फिल्मों की शूटिंग कर रहे हैं। वह आखिरी बार फिल्म 'चेहरे' में नजर आए थे। अमिताभ जल्द ही ब्रह्मास्त्र और झुंड जैसी फिल्मों में दिखेंगे।

शहनाज ने तोड़ी चुप्पी

बिग बॉस 13 फेम और जानी-मानी पंजाबी एक्ट्रेस शहनाज गिल, अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला के निधन के बाद कुछ समय के लिए कैमरे से लेकर सोशल मीडिया तक से ब्रेक पर चली गई थीं। वहीं, बीते दिनों वो अपनी फिल्म 'हौसला रख' के प्रमोशन्स के दौरान काम पर लौटी हैं। इसके बाद से वो लगातार इंटरव्यूज देती दिखाई दे रही हैं, हाल ही में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने 'ब्रेकअप' को लेकर फैल रही अफवाहों पर प्रतिक्रिया दी है। शहनाज गिल ने कुछ समय पहले ही सिद्धार्थ की याद में एक म्यूजिक वीडियो 'तू यहीं है' रिलीज किया है, जो सोशल मीडिया पर फैंस को इमोशनल करता दिखाई दे रहा है। इस दौरान उन्होंने जूम को दिए इंटरव्यू में ब्रेकअप को लेकर फैल रही अजीब अफवाहों पर जवाब देते हुए हंसकर कहा- 'वो कहते हैं मेरा ब्रेकअप हुआ था। जो कभी नहीं हुआ'। उनके अंदाज से साफ जाहिर है कि वो ऐसी अफवाहों की परवाह नहीं करती हैं और वो इन पर जवाब देना भी बखूबी जानती हैं।

भारतीय संस्कृति को नहीं भूलीं प्रियंका

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा भले ही पति निक जोनस के साथ लॉस एंजेलिस में रहती हों, लेकिन एक्ट्रेस अपनी भारतीय संस्कृति को बिल्कुल नहीं भूली हैं। कई मौकों पर प्रियंका ये साबित कर चुकी हैं कि वो रहती भले ही विदेश में हों, लेकिन उनका दिल बिल्कुल देसी है, दिल से वो हिन्दुस्तानी हैं। ऐसा कोई मौका नहीं होता जब विदेश में रहकर भी प्रियंका कोई इंडियन फेस्टिवल सेलिब्रेट करना भूल जाती हों, फिर चाहे वो करवा चौथ हो, दिवाली या होली। हर त्यौहार को प्रियंका धूमधाम से मनाती हैं। इतना ही नहीं उनके साथ पति निक जोनस भी सारे त्यौहार सेलिब्रेट करते हैं। प्रियंका फिलहाल लॉस एंजेलिस में हैं और खबरों की मानें तो वो वहीं दिवाली सेलिब्रेट करेंगी। इस मौके पर एक्ट्रेस ने अपनी कुछ खूबसूरत तस्वीरें भी इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं जिनमें वो बहुत प्यारी लग रही हैं। इतनी प्यारी कि निक जोनस भी फोटोज पर कमेंट करने से खुद को नहीं रोक पाए। एक्ट्रेस ने 7 फोटो की पूरी एल्बम शेयर की है। इन फोटोज में प्रियंका ऑफ व्हाइट कलर के फ्लोरल प्रिंट लहंगे में दिख रही हैं। इस लहंगे के साथ एक्ट्रेस ने ऑफ शोल्डर क्रॉप टॉप पहना हुआ है जिस पर मिरर वर्क हो रखा है। इस ड्रेस को साथ प्रियंका ने क्लासी ज्वैलिरी भी कैरी की है और अपने बालों को खुला छोड़ा है जो देसी गर्ल के लुक को चार चांद लगा रहा है। फोटोज शेयर करते हुए प्रियंका ने कैप्शन में सभी को दिवाली की मुबारकबाद दी है। एक्ट्रेस ने लिखा, ह्यहैप्पी दिवाली शाम.... सभी को ढेर सारा प्यार, खुशियां और रोशनी मिलेह्व। इन फोटोज में प्रियंका इतना खूबसूरत लग रही हैं निक जोनस भी कमेंट करने से नहीं चूके हैं।